जागृति

शिवानी: हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं का सम्पोषण एवं समन्वय केंद्र

अर्धवार्षिक सूचनापत्र खंड 3, अंक 1
(जनवरी-जून 2024)

JAGRITI

SHIVANI CENTRE FOR NURTURE AND REINTEGRATION OF HINDI AND OTHER INDIAN LANGUAGES

Half yearly Newsletter Volume 3, Issue 1
(January-June 2024)

विषयसूची

Table of contents

आयोजन

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस
वसंत काव्योत्सव
हिंदी दिवस

कार्यशालाएँ और प्रतियोगिताएँ

कार्यशाला: हिंदी कविता की अंतर्दृष्टि और तकनीक
अखिल भारतीय कविता लेखन प्रतियोगिता

गतिविधियाँ और आगमन

अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए हिंदी सीखने का कार्यक्रम
एन एस एस स्वयंसेवकों द्वारा शैक्षणिक सामग्री तैयार करना
पूर्व छात्र श्री प्रदीप सक्सेना का शिवानी केंद्र, आई आई टी कानपुर में आगमन

हिंदी व्याकरण सम्बंधित वीडिओ

आगामी आयोजन

कर्मचारी सदस्य और संपर्क

Events

International Mother's Language Day 02-03
Vasant Kavyotsav 04-05
Hindi Diwas 06-07

Workshops and Competitions

Workshop: Insights and Techniques of Hindi Poetry 08-09
All India Poetry Writing Competition 09-10

Activities and Visits

Hindi learning Program Launched for International Students 11-12
Academic content by NSS volunteers 13-14
Alumnus Mr. Pradeep Saxena Visits Shivani Centre at IIT Kanpur 14-15

Videos on Hindi Grammar 15

Upcoming Events 16-17

Staff Members & Contacts 18

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस: आई आई टी कानपुर में बहुभाषी प्रतिभाओं का उत्सव - मार्च 2, 2024

International Mother's Language Day: Celebrating Multilingual Talents at IIT Kanpur - March 2, 2024

Prof. Shalabh addressing the event: International Mother's Language Day

Prof. Shalabh being felicitated by Prof. Ark Verma

Mr Bharat Somaiya presenting poetry at the event

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में, जो विश्वभर में 21 फरवरी को मनाया जाता है, भाषाई और सांस्कृतिक विविधता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए, शिवानी केंद्र और राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा संयुक्त रूप से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका शीर्षक था 'अभिव्यक्ति - बहुभाषी प्रतिभाओं का समागम'। 2 मार्च, 2024 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के आउटरीच सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य हमारे परिसर समुदाय के बीच समृद्ध भाषाई विविधता का उत्सव मनाना था।

कार्यक्रम का आरम्भ प्रतिष्ठित संकाय - प्रो. शलभ, प्रो. सतरूपा रॉय, प्रो. चैत्रा पुट्टस्वामी और आई आई टी कानपुर के शिवानी केंद्र के सह-समन्वयक प्रो. अर्क वर्मा द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन समारोह के साथ हुआ। इसके पश्चात, शैक्षणिक मामलों के डीन प्रोफेसर शलभ ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि मातृभाषा हमारी पहचान और संस्कृति को आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है एवं हमें अपने विचारों को अधिक सहजता से व्यक्त करने में सक्षम बनाती है। प्रोफेसर शलभ ने इस बात पर ज़ोर देते हुए कहा कि हमारी मूल भाषाएँ, शिक्षा, सामाजिक विकास और आर्थिक समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण हैं, जो विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवाद और समझ को बढ़ावा देती हैं।

On the occasion of International Mother's Language Day, celebrated globally on February 21st, to foster awareness of linguistic and cultural diversity, Shivani Centre and Rajbhasha Prakostha jointly organized a special event titled 'अभिव्यक्ति - बहुभाषी प्रतिभाओं का समागम' / 'Expression - A Platform of Multilingual Talents'. The event, held on March 2, 2024, in the Outreach Auditorium of IIT Kanpur, aimed to celebrate the rich linguistic diversity within our campus community.

The event commenced with a traditional lamp-lighting ceremony by distinguished professors—Prof. Shalabh, Prof. Satarupa Roy, Prof. Chaitra Puttaswamy, and Prof. Ark Verma, Co-Coordinator of Shivani Centre, IIT Kanpur. Following this, Prof. Shalabh, Dean of Academic Affairs, addressed the gathering. He highlighted the crucial role of mother tongue in shaping our identity and culture, noting that they enable us to express our thoughts more effortlessly. Prof. Shalabh emphasized that our native languages are vital for education, social development, and economic prosperity, promoting dialogue and understanding among different cultures.

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण आई आई टी कानपुर के छात्र, कर्मचारी, संकाय सदस्य, स्टाफ और निवासियों द्वारा दी गई प्रस्तुतियाँ थीं। उन्होंने अपनी मातृभाषा में लेख, कविताएँ, गीत, कहानियाँ, यात्रा वृत्तांत और संस्मरणों के माध्यम से अपनी साहित्यिक कृतियों और रचनात्मक अभिव्यक्तियों का प्रदर्शन किया। इसमें हिंदी, गुजराती, बंगाली, तेलुगु, कन्नड़ और उड़िया आदि विविध भाषाएँ शामिल थीं।

प्रत्येक प्रस्तुति का उद्देश्य आई आई टी कानपुर समुदाय की भाषाई विविधता का उत्सव मनाना और यह बताना था कि भाषाएँ हमें विश्व की विभिन्न संस्कृतियों और धरोहरों से कैसे जोड़ती हैं।

कार्यक्रम का समापन प्रोफेसर अर्क वर्मा द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने प्रतिभागियों और दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रस्तुतियों को सर्वसम्मति से सराहना और तालियाँ मिलीं, जो आई आई टी कानपुर समुदाय की बहुभाषी प्रतिभाओं को एक साथ लाने में कार्यक्रम की सफलता को दर्शाता है।

'अभिव्यक्ति - बहुभाषी प्रतिभाओं का समागम' आई आई टी कानपुर में बोली जाने वाली भाषाओं का एक जीवंत उत्सव था। प्रस्तुत कार्यक्रम ने इस संदेश को और मजबूत किया कि भाषा वैश्विक संस्कृतियों की समृद्ध विविधता के लिए एक सेतु है।

The core of the event featured performances by students, employees, faculty members, staff, and residents of IIT Kanpur. They showcased their literary works and creative expressions through articles, poems, songs, short stories, travelogues, and memoirs in their mother tongues. The diverse languages represented included Hindi, Gujarati, Bengali, Telugu, Kannada, and Oriya, among others. Each presentation highlighted the event's purpose: to celebrate the linguistic diversity of the IIT Kanpur community and to highlight how languages connect us with the world's various cultures and heritages.

The event concluded with a vote of thanks delivered by Prof. Ark Verma, expressing gratitude to the participants and the audience. The performances received unanimous admiration and applause, reflecting the event's success in bringing together the multilingual talents of the IIT Kanpur community.

'अभिव्यक्ति - बहुभाषी प्रतिभाओं का समागम' was a vibrant celebration of the languages spoken at IIT Kanpur, reinforcing the message that language is a bridge to the rich diversity of global cultures.

Musical instrument performance

Musical instrument performance

Dance performance by Bengali community

वसंत काव्योत्सव: आई आई टी कानपुर में कविता पाठ के साथ वसंत ऋतु का स्वागत - मार्च 11, 2024

Prof. Santosh Mishra presenting poetry at the event

वसंत ऋतु के आगमन के उपलक्ष्य में काव्य उत्सव "वसंत काव्योत्सव" का आयोजन मार्च 11, 2024 को आई आई टी कानपुर के आउटरीच सभागार में शिवानी केंद्र, हिंदी साहित्य सभा और राजभाषा प्रकोष्ठ के संयुक्त सहयोग से किया गया।

हमेशा की तरह, इस कार्यक्रम में संस्थान के शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों का एक बड़ा जमघट देखने को मिला। इस कार्यक्रम ने कैंपस के निवासियों, खासकर छात्रों को, अपनी काव्य प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान किया। इसका उद्देश्य छात्रों को कविता रचना और सार्वजनिक रूप से पाठ करने के कौशल को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रोफेसर संतोष मिश्रा के स्वागत सम्बोधन से हुई। उन्होंने हिंदी साहित्य में कविता के महत्व को रेखांकित करते हुए उपस्थित श्रोताओं और प्रतिभागियों में उत्साह का संचार किया। इसके बाद कविता और गजलों की प्रस्तुतियाँ शुरू हुईं। प्रस्तुतकर्ताओं में संकाय वर्ग से **प्रोफेसर संतोष मिश्रा** के साथ-साथ छात्र वर्ग से **श्री सानिध्य अग्रवाल, श्री सिद्धार्थ यादव, श्री विप्लव पटेल, श्री परमवीर चौधरी, श्री आयुष रंजन, श्री यश** और कर्मचारी वर्ग से **श्री भरत सोमैया** और **श्री आशीष शर्मा** शामिल थे, जिन्होंने अपनी रचनाओं को उपस्थित श्रोताओं के साथ साझा किया।

Vasant Kavyotsav: Celebrating Spring with Poetry at IIT Kanpur - March 11, 2024

Students performing at the event

The Vasant Kavyotsav poetry event, marking the arrival of the spring season, was organized under the joint collaboration of Shivani Centre, Hindi Sahitya Sabha, and Hindi Cell in the Outreach Auditorium of IIT Kanpur on March 11, 2024.

As is customary, the event attracted a large gathering of faculty members, students, and staff of the institute. It provided a platform for campus residents to showcase their poetic talents, aiming to encourage and motivate them to develop their skills in composing and reciting poetry publicly, especially focusing on the students.

The program commenced with a warm welcome address by Professor Santosh Mishra, who inspired and infused enthusiasm among the audience and participants by highlighting the significance of poetry in Hindi literature. Following this, the presentations of poetry and ghazals began. Among the presenters were **Professor Santosh Mishra** from the faculty section, along with **Mr. Sanidhya Agarwal, Mr. Siddharth Yadav, Mr. Viplav Patel, Mr. Paramveer Chaudhary, Mr. Ayush Ranjan, Mr. Yash** from the student section, and **Shri Bharat Somaiya** and **Shri Ashish Sharma** from the staff section, who shared their compositions with the audience.

आई आई टी कानपुर के हिंदी साहित्य सभा के समन्वयक श्री प्रदीप बागड़ी ने कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इन प्रदर्शनों को दर्शकों की जोरदार तालियों से सराहा गया, और कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने इसकी बहुत सराहना की।

वसंत काव्योत्सव आई आई टी कानपुर में आयोजित होने वाला एक वार्षिक काव्य पाठ समारोह है, जो कविता की सुंदरता का उत्सव मनाता है और वसंत के आगमन का स्वागत करता है। यह आई आई टी कानपुर समुदाय के सदस्यों के लिए अपनी काव्य प्रतिभा और रचनात्मकता को व्यक्त करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

Prof. Ark Verma, Co-Coordinator of Shivani Centre, IIT Kanpur, expressed gratitude to all participants at the event's conclusion.

The performances received enthusiastic applause from the audience, and the event was highly appreciated by everyone in attendance.

Vasant Kavyotsav is an annual poetry event at IIT Kanpur that celebrates the beauty of poetry and welcomes the vibrant spring season. It serves as a platform for members of the IIT Kanpur community to express their poetic talents and creativity.

Participants of the event: Vasant Kavyotsav

Coordinator of 'Hindi Sahitya Sabha' felicitating a performer at the event

Organizers and participants of the event: Vasant Kavyotsav

विश्व हिंदी दिवस: आई आई टी कानपुर में कैंपस कवि सम्मेलन - जनवरी 10, 2024

Ms. Shipra Singh reciting poetry at the event: Vishwa Hindi Diwas

विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में, जो हर साल 10 जनवरी को दुनिया भर में मनाया जाता है, राजभाषा प्रकोष्ठ ने शिवानी केंद्र के सहयोग से, आई आई टी कानपुर के परिसर में लेक्चर हॉल एल-17 में एक रंगारंग कवि सम्मेलन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में आई आई टी कानपुर परिसर समुदाय के कर्मचारियों, छात्रों और संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य परिसर के निवासियों में हिंदी को विश्व स्तर पर बढ़ावा देने के बारे में जागरूकता पैदा करना और हिंदी को वैश्विक भाषा के रूप में स्थापित करने के लक्ष्य का समर्थन करना था। इस पहल का उद्देश्य हिंदी का उपयोग करके अंतर्राष्ट्रीय संस्कृतियों के बीच बातचीत को प्रोत्साहित करना और हिंदी साहित्य के विकास को बढ़ावा देना था।

संकाय वर्ग के सम्मानित सदस्य, **प्रोफेसर भारत लोहानी, प्रोफेसर संतोष कुमार मिश्रा** और **प्रोफेसर अर्क वर्मा** सहित परिसर के अन्य सदस्य, जैसे **सुश्री शिप्रा सिंह** और **सुश्री दीप्ति त्रिपाठी**, तथा छात्र वर्ग से **श्री कमल साहू, श्री अक्षत शर्मा, श्री कन्हैया कुमार, श्री हिमांशु** कर्नाटक एवं **सुश्री सौम्या मिश्रा** ने इस कार्यक्रम के दौरान अपनी स्वरचित कविताओं का प्रदर्शन किया।

Vishwa Hindi Diwas: Campus Kavi Sammelan at IIT Kanpur - January 10, 2024

Prof. Bharat Lohani reciting poetry at the event

In commemoration of Vishwa Hindi Diwas, which is celebrated worldwide every year on January 10th, Raj Bhasha Prakoshth, in collaboration with Shivani Centre, organized a vibrant campus Kavi Sammelan at Lecture Hall L-17, IIT Kanpur. The event witnessed enthusiastic participation from staff, students, and faculty members of the IIT Kanpur campus community.

The primary aim of this event was to raise awareness among campus residents about the promotion of Hindi globally and to support the goal of establishing Hindi as a global language. This initiative aimed to encourage interaction among international cultures using Hindi and foster the growth of Hindi literature.

Distinguished members from the faculty section, including **Prof. Bharat Lohani**, **Prof. Santosh Kumar Mishra**, and **Prof. Ark Verma**, along with staff members or their spouses, such as **Ms. Shipra Singh** and **Ms. Deepti Tripathi**, and students **Mr. Kamal Sahu**, **Mr. Akshat Sharma**, **Mr. Kanhaiya Kumar**, **Mr. Himanshu Karnataka**, and **Ms. Soumya Mishra**, showcased their self-composed poetry during the event.

इस कवि सम्मेलन में प्रतिभागियों ने कविता की विभिन्न शैलियों को प्रस्तुत किया, जैसे कि कविता, ग़ज़ल, शायरी आदि। इन रचनाओं में देशभक्ति, मातृत्व, प्रेम, प्रकृति और वीरता जैसे विषयों को समाहित किया गया। इन प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया तथा इस आयोजन को उपस्थित सभी लोगों से भरपूर सराहना और तालियाँ मिलीं।

यह कार्यक्रम न सिर्फ हिंदी की समृद्ध साहित्यिक परंपरा का उत्सव था, बल्कि आई आई टी कानपुर समुदाय की प्रतिभा और सृजनात्मकता को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच भी बना। इस कार्यक्रम ने उपस्थित सभी लोगों पर एक अमिट छाप छोड़ी।

Participants presented poetry in various forms, such as Kavita, ghazals, shayari, and more, covering themes including patriotism, motherhood, love, nature, and heroic spirit. The performances captivated the audience, receiving high appreciation and applause from all attendees.

The event not only celebrated the rich literary heritage of Hindi but also served as a platform to showcase the talent and creativity of the IIT Kanpur community, leaving a lasting impact on everyone present.

Prof. Ark Verma felicitating Prof. Santosh Mishra

Prof. Ark Verma felicitating a student performer at the event

Participants of Event: Vishwa Hindi Diwas

कार्यशाला: हिंदी कविता लेखन की अंतर्दृष्टि और तकनीक - मई 3, 2024

Speaker of the workshop:
Ms. Shipra Singh

आई आई टी कानपुर में स्थित 'शिवानी: हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं का सम्पोषण एवं समन्वय केंद्र' ने मई 3, 2024 को हिंदी साहित्य में रचनाओं के सृजन के लिए समर्पित एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला की वक्ता **सुश्री शिप्रा सिंह** थीं, जो एक प्रसिद्ध हिंदी काव्य लेखिका हैं, और 'राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था-शब्दाक्षर', कानपुर, और 'शिक्षा सोपान पुस्तकालय', आई आई टी कानपुर की सक्रिय सदस्य हैं।

यह कार्यशाला, मई 2023 और सितंबर 2023 में सुश्री सिंह द्वारा आयोजित हिंदी साहित्य कार्यशाला के पिछले सत्रों की निरंतरता में आयोजित किया गया। इस सत्र में, सुश्री सिंह ने कविता, छंद और ग़ज़ल जैसी विभिन्न काव्य विधाओं की रचना के लिए मौलिक रणनीतियों और सिद्धांतों पर गहनता से चर्चा की। विभिन्न प्रकार के 'छंद' लेखन पर विशेष ध्यान दिया गया, जिसमें उन्होंने विशेष रूप से घनाक्षरी विधा पर अपनी महत्वपूर्ण टिप्पणियां दीं।

सुश्री शिप्रा सिंह ने 'घनाक्षरी' लिखने की तकनीकी शैलियों और तरीकों पर अपने विचार साझा किए और इस विधा में अपनी कुछ रचनाएँ सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अलावा, उन्होंने कविता लेखन के कौशल को बढ़ाने के लिए इच्छुक प्रतिभागियों को अपने बहुमूल्य विचार और सुझाव दिए।

कार्यशाला ने उत्सुक प्रतिभागियों को उनकी मौलिक हिंदी रचनाओं को प्रस्तुत करने के लिए एक मंच प्रदान किया, जिसमें कविता और शायरी से लेकर ग़ज़ल और दोहा तक शामिल थे। इस परस्पर संवादात्मक सत्र ने रचनात्मक आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया और उपस्थित लोगों को अपनी विविध प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने का मौका दिया।।

Workshop: Insights and Techniques of Hindi Poetry - May 3, 2024

Prof. Kantesh Balani felicitating
Ms. Shipra Singh

"Shivani Centre for the Nurture & Re-Integration of Hindi and Other Indian Languages" at IIT Kanpur organized a workshop dedicated to the creation of compositions in Hindi literature on May 3, 2024. The speaker for this workshop was **Ms. Shipra Singh**, a prominent Hindi poetry writer, an active member of "Rashtriya Sahityik Sanstha-Shabdakshar", Kanpur, and "Shiksha Sopan Pustakalay", IIT Kanpur.

This event marked a continuation of Ms. Singh's previous sessions on Hindi literature held in May and September of 2023. During this session, she delved into the fundamental strategies and principles for composing various genres of poetry, including kavita, chhand, and ghazals. A significant focus was placed on the different types of 'Chhand' lekhan, with a special emphasis on Ghanakshari.

Ms. Shipra Singh shared her insights on the technical styles and methods of writing 'Ghanakshari' and captivated the audience by reciting some of her own compositions in this form. Additionally, she offered valuable views and suggestions to participants eager to enhance their poetry writing skills.

The workshop provided a platform for interested participants to present their original Hindi compositions, ranging from kavita and shayari to ghazals and doha. This interactive segment fostered a creative exchange and showcased the diverse talents of the attendees.

कार्यशालाएँ और प्रतियोगिताएँ / Workshops and Competitions

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य उन छात्रों को प्रोत्साहित करना और समर्थन देना था, जो हिंदी साहित्य की कविता, गद्य और अन्य विधाओं में अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति करना चाहते हैं। यह सत्र सभी श्रोताओं के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक रहा और सभी प्रतिभागियों ने इसकी खूब सराहना की।

The primary aim of the workshop was to encourage and support students aspiring to write their own poetry, prose, and other genres of Hindi literature. The discourse proved to be extremely informative and was met with admiration and appreciation by all participants.

Attendees of the workshop

Participants of the workshop: Insights and Techniques of Hindi Poetry

अखिल भारतीय कविता लेखन प्रतियोगिता - जनवरी 16-31, 2024

आई आई टी कानपुर द्वारा 16 से 31 दिसंबर, 2023 तक हिंदी में "अखिल भारतीय कविता लेखन प्रतियोगिता" का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में देश भर के 50 से अधिक संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने वाले 160 से अधिक छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के छात्र साहित्यिक समूह, हिंदी साहित्य सभा द्वारा शिवानी केंद्र के सहयोग से किया गया।

देश भर के युवा लेखकों की समृद्ध विविधता और प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए, प्रतिभागियों ने मूल और नवीन काव्य रचनाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रस्तुत की। हिंदी और उर्दू साहित्य को बढ़ावा देने और युवाओं के बीच साहित्यिक जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध एक युवा संगठन 'हिंदीनामा' के सदस्यों द्वारा प्रतियोगिता के विजेताओं का चयन किया गया।

All India Poetry Writing Competition - January 16-31, 2024

IIT Kanpur hosted the "All India Poetry Writing Competition" in Hindi from December 16 to 31, 2023. This competition drew enthusiastic participation from over 160 students representing more than 50 institutions nationwide. The event was organized by the Hindi Sahitya Sabha, the institute's student literary group, in collaboration with the Shivani Centre.

Participants submitted a wide range of original and innovative poetic compositions, showcasing the rich diversity and talent of young writers across the country. Members of "Hindinama", a youth organization committed to promoting Hindi and Urdu literature and fostering literary engagement among youth, judged the competition.

कार्यशालाएँ और प्रतियोगिताएँ / Workshops and Competitions

जनवरी 2024 में अत्यधिक प्रतिभाशाली प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। जिसमे, प्रथम पुरस्कार भारतीय हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी से **श्री जयंत शुक्ला** ने, द्वितीय पुरस्कार मिरांडा हाउस कॉलेज, दिल्ली से **सुश्री ईशिता प्रवीण** ने, और तृतीय पुरस्कार आई आई टी भिलाई से **श्री श्रजल बाजपेयी** ने प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त, आई ई टी (डी ए वी वी) इंदौर से **श्री शीर्षक दीक्षित** ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। विजेताओं को उनकी सक्रिय भागीदारी और सराहनीय प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य युवा लेखकों को उनकी साहित्यिक प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करना और पूरे देश में हिंदी लेखन और संस्कृति के महत्व और प्रासंगिकता को रेखांकित करना था। इस कार्यक्रम ने भारत के युवाओं की जीवंत साहित्यिक क्षमता को सफलतापूर्वक उजागर किया, जो हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक और भाषाई विरासत को मजबूत करता है।

आई आई टी कानपुर की इस पहल ने न केवल महत्वाकांक्षी कवियों को प्रोत्साहित किया, बल्कि साहित्यिक समुदाय को भी मजबूत किया, जिससे युवा पीढ़ी में हिंदी और उर्दू साहित्य के प्रति गहरी सराहना को बढ़ावा मिला।

The results, announced in January 2024, celebrated the exceptional talents of the winners. **Mr. Jayant Shukla** from BHU Varanasi won the first prize, **Ms. Ishita Praveen** from Miranda House College Delhi secured the second prize, and **Mr. Shrajal Bajpai** from IIT Bhilai received the third prize. Additionally, **Mr. Shirshak Dixit** from IET (DAVV) Indore received a consolation prize. The winners were recognized for their active participation and commendable performances.

The primary goal of the competition was to provide a platform for aspiring young writers to showcase their literary talents and to emphasize the importance and relevance of Hindi writing and culture across the nation. The event successfully highlighted the vibrant literary potential of India's youth, reinforcing the cultural and linguistic heritage of Hindi literature.

This initiative by IIT Kanpur not only nurtured aspirant poets but also strengthened the literary community, promoting a deeper appreciation for Hindi and Urdu literature among the younger generation.

Mr. Jayant Shukla

1st Prize Winner

Ms. Ishita Praveen

2nd Prize Winner

Mr. Shrajal Bajpai

3rd Prize Winner

अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए हिंदी भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम - मई-जुलाई 2024

आई आई टी कानपुर में शिवानी केंद्र ने अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग (DOIR) के अनुरोध पर, एक विशेष कार्यक्रम शुरू किया है जिसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को हिंदी सीखने में सहायता करना है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य, अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को हिंदी भाषा में कौशल प्रदान करना है ताकि उनका कैंपस समुदाय और भारतीय संस्कृति के साथ एक गहरा संबंध बन सके। इस बात को समझते हुए कि किसी समुदाय का हिस्सा होने का एहसास दिलाने में भाषा कितनी महत्वपूर्ण है, यह कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को आई आई टी कानपुर में जीवन को सहजता से आत्मसात करने में मदद करता है।

इस पहल का उद्घाटन अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के डीन प्रो. कांतेश बालानी, शिवानी केंद्र से सुश्री मैत्रेयी अग्रवाल श्री गोविन्द, और श्री सुधांशु एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग (डी ओ आई आर) के कार्यालय से सुश्री प्रेरणा, श्री शम्भू और श्री अनूप द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के उद्देश्य:

- व्यापक भाषा प्रशिक्षण: सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने सहित हिंदी के सभी पहलुओं में प्रशिक्षण प्रदान करना।
- सांस्कृतिक जागरूकता: छात्रों को अपने आस-पास के वातावरण को बेहतर ढंग से समझने और सराहने में मदद करने के लिए भारतीय संस्कृति और समाज के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान करना।
- संचार आत्मविश्वास का निर्माण: विदेशी छात्रों को हिंदी में प्रभावी ढंग से संवाद करने में आत्मविश्वास हासिल करने में मदद करना।
- सामाजिक एकीकरण को बढ़ावा देना: स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के बीच सामाजिक संबंधों को सुगम बनाना, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे परिसर समुदाय के एक अभिन्न अंग हैं।

इस कार्यक्रम का शुभारंभ आई आई टी कानपुर की सभी पृष्ठभूमि के छात्रों के लिए एक सहायक वातावरण बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

Hindi learning Program Launched for International Students - May-July 2024

Shivani Centre at IIT Kanpur, at the request of the Department of International Relations (DoIR), has introduced a special program designed to help international students learn Hindi. This initiative aims to equip them with Hindi language skills, fostering a deeper connection with both the campus community and Indian culture.

The initiative was inaugurated by Prof. Kantesh Balani, Dean of International Relations, Ms. Maitreyi Agarwal, Mr. Govind and Mr. Sudhanshu from Shivani Centre, and Ms. Prerna, Mr. Shambhu and Mr. Anoop from DoIR office.

Understanding how crucial language is for feeling like you are part of a community, the program helps international students smoothly integrate into life at IIT Kanpur.

Objectives of the program:

- Comprehensive Language Training: Providing training in all aspects of Hindi, including speaking, listening, reading, and writing.
- Cultural Awareness: Offering insights into Indian culture and society to help students understand and appreciate their surroundings better.
- Building Communication Confidence: Helping foreign students gain confidence in communicating effectively in Hindi.
- Promoting Social Integration: Facilitating social connections between local and international students to ensure they feel like integral parts of the campus community.

The launch of this program reflects IIT Kanpur's commitment to creating a supportive environment for students from all backgrounds.

इस तरह की पहलों के माध्यम से, शिवानी केंद्र सांस्कृतिक आदान-प्रदान और समझ को बढ़ावा देना जारी रखता है, जो दुनिया के विभिन्न कोनों से आने वाले छात्रों के बीच एकता को बढ़ावा देता है। शिवानी केंद्र भाषा और सांस्कृतिक सहायता प्रदान करके अपने अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के समग्र शैक्षणिक और सामाजिक अनुभव को बढ़ाने का लक्ष्य रखता है।

शिवानी केंद्र ने अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के हिंदी सीखने के लिए निम्नलिखित लिंक में दिए गए पाठ, ग्रीष्मकालीन पाठ्यक्रम (मई - जुलाई 2024) के रूप में प्रदान किए हैं:

https://shorturl.at/QMfL9

Through such initiatives, Shivani Centre continues to promote cultural exchange and understanding, fostering unity among students from various corners of the world. By offering language and cultural support, the Centre aims to enhance the overall academic and social experience of its international students.

The lessons delivered as part of the summer course (May - July 2024) on learning Hindi for international students at Shivani Centre can be accessed through the provided link:

https://shorturl.at/QMfL9

Prof. Kantesh Balani delivering lecture in Class on learning Hindi

Hindi tutoring session conducted by Ms. Maitreyi Agarwal

Prof. Ark Verma teaching Hindi to international students

International students participating in a Hindi learning session at Shivani Centre

शैक्षणिक सामग्री तैयार करने में एन एस एस स्वयंसेवकों का सहयोग - अप्रैल 2, 2024

Academic content by NSS volunteers - April 2 2024

Prof. Niraj Mohan Chawake convening with NSS volunteers at Shivani Centre

आई आई टी कानपुर में स्थित शिवानी केंद्र उन छात्रों की सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध है जो गैर-अंग्रेजी भाषी पृष्ठभूमि से आते हैं और कक्षाओं में वितरित शैक्षणिक सामग्री को समझने में चुनौतियों का सामना करते हैं। इस प्रयास में, 2 अप्रैल, 2024 को प्रोफेसर नीरज मोहन चवाके, एन एस एस समन्वयक, एन एस एस छात्र स्वयंसेवकों और शिवानी केंद्र के कर्मचारियों के बीच एक 'फॉलो-अप' बैठक आयोजित की गई।

बैठक का मुख्य उद्देश्य एन एस एस स्वयंसेवकों द्वारा शिवानी केंद्र के साथ मिलकर आगामी जुलाई 2024-25 सेमेस्टर के लिए हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में वीडियो, 'एनोटेटेड नोट्स' और अनुवादित पाठ्यक्रम सामग्री प्रदान करने की प्रगति की समीक्षा करना था।

कुल 16 एन एस एस छात्रों ने इस बैठक में भाग लिया। ये छात्र विभिन्न इंजीनियरिंग विभागों सहित विभिन्न शैक्षणिक धाराओं से सम्बंधित हैं, जैसे की रसायन विज्ञान, भौतिकी, गणित आदि। इन्होंने हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं जैसे तेलुगु, मलयालम आदि में अनुवादित पाठ्यक्रमों को तैयार करने के लिए ऑडियो, वीडियो और अनुवादित सामग्री बनाकर अपना योगदान प्रदान किया है। प्रोफेसर चवाके ने विभिन्न धाराओं से अनुवादित शैक्षणिक सामग्री एकत्रित की है, जिसे सत्यापन के लिए वरिष्ठ संकाय सदस्यों और विशेषज्ञों को भेजा गया है।

Shivani Centre at IIT Kanpur is committed to assisting students who come from non-English-speaking backgrounds and may face challenges in understanding academic content delivered in classrooms. In this effort, a follow-up meeting was held on April 2, 2024, involving Prof. Niraj Mohan Chawake, NSS Coordinator, NSS student volunteers, and Shivani Centre staff.

The main objective of the meeting was to review the progress made by NSS volunteers in collaboration with Shivani Centre to provide videos, annotated notes, and translated course material in Hindi and other regional languages for the upcoming July semester of 2024-25.

A total of 16 NSS students from diverse academic streams, including Chemistry, Physics, Mathematics, and various engineering departments, have contributed by creating audio, video, and translated content for courses in Hindi and other regional languages such as Telugu, Malayalam, etc. Prof. Chawake has collected the translated academic material from different streams, which has been forwarded to senior faculty members and experts for verification.

गतिविधियाँ और आगमन /Activities and Visits

शिवानी केंद्र अनुवादित पाठ्यक्रम सामग्री के उत्पादन के लिए इन छात्रों को आवश्यक समर्थन प्रदान कर रहा है, जिसमें माइक्रोफोन, रिकॉर्डर, लैपटॉप और ऑडियो या वीडियो निर्माण के लिए समर्पित कमरे शामिल हैं, ताकि भाग लेने वाले छात्रों को 'वीडियो रिकॉर्डिंग' एवं अन्य शैक्षिक सामग्री तैयार करने में सहायता मिल सके। यह सहयोगात्मक प्रयास, जिसमें छात्र, संकाय सदस्य और शिवानी केंद्र शामिल हैं, उन छात्रों की सहायता करने का लक्ष्य रखता है जो भाषा सम्बन्धी बाधाओं का सामना करते हैं। इस प्रयास से उन्हें, कक्षा में सीखने और समग्र शैक्षणिक विकास में सहायता मिलेगी।

अतः शिवानी केंद्र की यह पहल उन छात्रों का समर्थन करने में अत्यधिक लाभकारी होने की उम्मीद रखती है, जिन्हें भाषा सहायता की आवश्यकता है, जिससे आई आई टी कानपुर में उनकी शैक्षिक यात्रा को अधिक सहज और समावेशी बनाया जा सकेगा।

Shivani Centre is providing necessary support for producing the translated course material, including microphones, recorders, laptops, and dedicated rooms for audio or video creation, to the participating students. This collaborative effort involving students, faculty members, and Shivani Centre aims to assist students from remote areas who face language barriers, thereby facilitating their in-class learning and overall academic growth.

This initiative is expected to be highly beneficial in supporting students who require language assistance, ensuring their educational journey at IIT Kanpur is smoother and more inclusive

पूर्व छात्र श्री प्रदीप सक्सेना का शिवानी केंद्र, आई आई टी कानपुर में आगमन - मार्च 21, 2024

वर्ष 1978 बैच के एक प्रतिष्ठित पूर्व छात्र श्री प्रदीप सक्सेना जी मार्च 21, 2024 को आई आई टी कानपुर की अपनी यात्रा के दौरान शिवानी केंद्र पधारे। शिवानी केंद्र के समन्वयक प्रो. कांतेश बालानी एवं सुश्री मैत्रेयी अग्रवाल, श्री सुधांशु और श्री गोविंद सहित अन्य कर्मचारियों ने उनका आत्मीयता से स्वागत किया।

प्रो. कांतेश बालानी ने श्री सक्सेना जी को शिवानी केंद्र के लक्ष्यों और गतिविधियों से परिचित कराया। श्री सक्सेना जी को केंद्र की भविष्य की योजनाओं और छात्रों के शैक्षणिक अनुभव को समृद्ध करने के उद्देश्य से होने वाले आगामी कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी गई। श्री सक्सेना जी ने अपने बहुमूल्य विचारों को साझा करते हुए सुझाया की कैसे शिवानी केंद्र आई आई टी कानपुर के उन छात्रों की सहायता कर सकता है जो भाषा या व्यक्तिगत बाधाओं का सामना कर रहे हैं।

श्री प्रदीप सक्सेना जी को 'शिवानी स्मृति कक्ष' देखने का भी अवसर मिला, जिसकी स्थापना पिछले वर्ष सुप्रसिद्ध हिन्दी साहित्यकार (दिवंगत) श्रीमती गौरा पंत जी, जिन्हें उनके उपनाम 'शिवानी' के नाम से भी जाना जाता है, के सम्मान में की गई थी।

Alumnus Mr. Pradeep Saxena Visits Shivani Centre at IIT Kanpur - March 21, 2024

Mr. Pradeep Saxena, an esteemed alumnus from the batch of 1978, paid a visit to the Shivani Centre during his recent trip to IIT Kanpur on March 21, 2024. He was warmly welcomed by Prof. Kantesh Balani, the Coordinator of Shivani Centre, and the dedicated staff, including Ms. Maitreyi Agarwal, Mr. Sudhanshu, and Mr. Govind.

During his visit, Prof. Kantesh Balani introduced Mr. Saxena to the goals and activities of the Shivani Centre. Mr. Saxena was briefed about the center's future plans and upcoming events aimed at enriching the academic experience of students. In turn, Mr. Saxena shared his valuable insights on how the center could support students at IIT Kanpur who face language or personal barriers.

Mr. Pradeep Saxena also had the opportunity to visit the 'Shivani Memorial Hall,' which was established last year in honor of the renowned Hindi litterateur (late) Mrs. Gaura Pant ji, known by her pen name 'Shivani.'

गतिविधियाँ और आगमन /Activities and Visits

Mr. Pradeep Saxena at Shivani Centre, IITK

अपने आई आई टी कानपुर के छात्र जीवन के दौरान, श्री सक्सेना जी ने भाषा की बाधाओं से जुड़े अपने निजी अनुभवों और चुनौतियों को साझा किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि किस प्रकार उन्होंने इन चुनौतियों पर सफलतापूर्वक विजय प्राप्त की और शानदार शैक्षणिक परिणाम हासिल किए। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे शिवानी केंद्र गैर-अंग्रेजी भाषी पृष्ठभूमि वाले छात्रों की मदद कर सकता है ताकि वे भाषा सम्बन्धी बाधाओं को पार कर सकें, जिससे उनका तेजी से शैक्षणिक विकास हो तथा इससे संस्थान और देश का भी समग्र विकास होगा।

श्री सक्सेना जी की यात्रा न केवल यादगार रही बल्कि ज्ञानवर्धक भी रही, जिसने शिवानी केंद्र को आई आई टी कानपुर में छात्रों की शैक्षणिक यात्रा को समर्थन देने की भावी पहलों के लिए बहुमूल्य दृष्टिकोण प्रदान किए।

Mr. Saxena shared his personal experiences and challenges regarding language barriers during his time at IIT Kanpur as a student. He highlighted how he successfully overcame these challenges, achieving excellent academic results. He offered suggestions on how the Shivani Centre could assist students from non-English backgrounds to overcome similar barriers, leading to their rapid academic growth and the overall development of the institute and the country.

Mr. Saxena's visit was not just memorable but also insightful, providing valuable perspectives for the future initiatives of Shivani Centre in supporting students' academic journeys at IIT Kanpur.

हिंदी व्याकरण सम्बंधित विडिओ/ Videos on Hindi Grammar

शिवानी केंद्र की सदस्य सुश्री मैत्रेयी अग्रवाल द्वारा हिंदी व्याकरण सम्बन्धी कुछ वीडियो तैयार किए गए हैं जिनमें बुनियादी व्याकरण की अवधारणाओं को हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में समझाया गया है। ये वीडियो क्लिप शिवानी केंद्र की वेबसाइट पर अपलोड किए गए हैं:

- **संधि और उसके भेद (परिचय)**
- **हिंदी वर्णमाला और उच्चारण**

A few videos have been prepared by Ms. Maitreyi Agarwal from Shivani Centre in which concepts of basic grammar have been explained in both Hindi and English languages. The following video clips have been uploaded on the Shivani Centre website:

- **Sandhi and its types (Introduction)**
- **Hindi Alphabets and Pronunciation**

https://www.youtube.com/watch?v=-EUeg8cSxNA
https://www.youtube.com/watch?v=ONSTJIQei38

आगामी कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ/Upcoming Events and Activities

मुंशी प्रेमचंद की कहानियों पर आधारित कार्यक्रम: 31 जुलाई, 2024

मुंशी प्रेमचंद जयंती के अवसर पर, शिवानी केंद्र द्वारा आई आई टी कानपुर के छात्रों के बीच एक कहानी वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य मुंशी प्रेमचंद जी के साहित्यिक कार्यों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और उनके जीवन और लेखन से लोगों को प्रेरित करना है।

काव्य पाठ प्रतियोगिता: अगस्त 2024

आई आई टी कानपुर के छात्रों के लिए एक काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य हिंदी साहित्य की सुंदरता और विविधता का उत्सव मनाना है, जिससे छात्रों को विभिन्न हिंदी कविता शैलियों जैसे कविता, ग़ज़ल, शायरी आदि में अपनी अनूठी व्याख्याओं और पाठ शैली को प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

हिंदी पखवाड़ा: सितंबर 2024

हिंदी दिवस के अवसर पर, शिवानी केंद्र, हिंदी साहित्य सभा और हिंदी प्रकोष्ठ 'हिंदी पखवाड़ा' का आयोजन करेंगे, जिसमें पत्र लेखन, हिंदी श्रुतिलेख, कहानी लेखन, और 'काव्यांजलि' नामक एक काव्य संगोष्ठी सहित विभिन्न प्रतियोगिताएँ शामिल होंगी।

अक्षर: अक्टूबर 2024

शिवानी केंद्र द्वारा आई आई टी कानपुर का वार्षिक कार्यक्रम, अक्षर - एक साहित्य उत्सव का आयोजन हिंदी प्रकोष्ठ, गाथा – एक ऑडियो होस्टिंग प्लेटफॉर्म, और हिंदी साहित्य सभा के सहयोग से किया जाएगा। यह तीन दिवसीय वार्षिक कार्यक्रम छात्र-केंद्रित प्रतियोगिताओं, पुस्तक मेलों, लेखक वाचन, साहित्यिक और कला गतिविधियों, कवि सम्मेलनों, नाटकों और पैनल चर्चाओं की एक श्रृंखला प्रस्तुत करेगा, जो साहित्य और कला का जीवंत उत्सव होगा।

Play on stories of Munshi Premchand: July 31st, 2024

On the occasion of Munshi Premchand Jayanti, the Shivani Centre will organize a story reading competition involving students from IIT Kanpur. The objective of this event is to raise awareness about the literary works of Munshi Premchand ji and to inspire people through his life and writings.

Poetry Recitation Competition: August 2024

A poetry recitation competition will be organized for students of IIT Kanpur. The competition aims to celebrate the beauty and diversity of Hindi literature, encouraging students to showcase their unique interpretations and recitation styles in various genres of Hindi poetry, such as Kavita, Ghazal, Shayari, etc.

Hindi Pakhwada: September 2024

On the occasion of Hindi Diwas, Shivani Centre, Hindi Sahitya Sabha, and Hindi Cell will organize 'Hindi Pakhwada,' featuring a variety of competitions including letter-writing, Hindi dictation, story-writing, and a poetry symposium called 'Kavyanjali.'

Akshar: October 2024

Shivani Centre, in collaboration with Hindi Cell, Gaatha – An Audio Hosting Platform, and Hindi Sahitya Sabha, will host Akshar - An IIT Kanpur Literature Festival. This three-day annual event will include a range of student-focused competitions, book fairs, author readings, literary and art activities, kavi sammelans, plays, and panel discussions, offering a vibrant celebration of literature and the arts.

आगामी कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ/Upcoming Events and Activities

साहित्यिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता: नवंबर 2024

शिवानी केंद्र हमारे राष्ट्र के व्यापक साहित्यिक और पौराणिक ज्ञान पर केंद्रित एक साहित्यिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित करेगा। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य आई आई टी कानपुर के छात्रों में साहित्य और संस्कृति के समकालीन जागरूकता को बढ़ाना है।

प्रशिक्षित विद्वानों को आमंत्रण: दिसंबर 2024

प्रशिक्षित विद्वानों को भाषा, अनुवाद, कला और प्रौद्योगिकी में अपनी विशेषज्ञता साझा करने के लिए कार्यशालाओं और प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से आई आई टी कानपुर के छात्रों को प्रभावी ढंग से संलग्न करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

Literary Quiz competition: November 2024

Shivani Centre will host a literary quiz competition focusing on the extensive literary and mythological knowledge of our nation. The competition aims to enhance contemporary awareness of literature and culture among students at IIT Kanpur.

Inviting scholars-in-residence: December 2024

Scholars-in-residence will be invited to share their expertise in language, translation, art, and technology through workshops and training sessions aimed at effectively engaging students at IIT Kanpur.

स्टाफ़ सदस्य और संपर्क - Staff Members & Contacts

सुश्री मैत्रेयी अग्रवाल
(परियोजना प्रबंधक)

Ms. Maitreyi Agarwal
(Project Manager)

श्री. विजय कुमार पांडेय
(राजभाषा अधिकारी)

Mr. Vijay Kumar Pandey
(Hindi Officer)

श्री जगदीश प्रसाद
(तकनीकी अधीक्षक)

Mr. Jagdish Prasad
(Technical Superintendent)

श्री अरविंद कुमार
(कनिष्ठ सहायक)

Mr. Arvind Kumar
(Junior Assistant)

श्री नितेश कुमार
(उप परियोजना प्रबंधक)

Mr. Nitesh Kumar
(Deputy Project Manager)

श्री सुधांशु गौतम
(परियोजना सहयोगी)

Mr. Sudhanshu Gautam
(Project Associate)

श्री गोविन्द शर्मा
(सहायक परियोजना प्रबंधक)

Mr. Govind Sharma
(Assistant Project Manager)

श्री लाल चंद
(परिचारक)

Mr. Lal Chand
(Attendant)

संपर्क

पता: शिवानी केंद्र, पी ई बी स्कूल,
ब्लॉक-एफ (कारगिल चौराहे के पास)
आई आई टी कानपुर, उत्तर प्रदेश, भारत - 208016

दूरभाष: 91-512-159-7074 (कार्यालय)

Contact

Address: Shivani Centre, PEB School,
Block-F (near Kargil chauraha)
IIT Kanpur, Uttar Pradesh, India - 208016

Tel. number: 91-512-159-7074 (office)

सम्पादन सहयोग : प्रो. कांतेश बालानी, प्रो. अर्क वर्मा, श्री गोविन्द शर्मा, सुश्री मैत्रेयी अग्रवाल अभिकल्प: श्री गोविन्द

Edited by: Prof. Kantesh Balani, Prof. Ark Verma, Mr. Govind Sharma, Ms. Maitreyi Agarwal Designed by: Mr. Govind

Jagriti means awakening and awareness.
जागृति का अर्थ जागरूकता और सतर्कता है।